पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने दादा मियाँ की मजार पर चादरपोशी की चादर चढ़ाकर देश एवं प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं विकास के लिए दुआएं मांगी

लखनऊः 17 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक से आज माल एवेन्यू स्थित दरगाह दादा मियाँ के 107वें उर्स के अवसर पर उनकी की मजार पर चादर चढ़ाकर देश एवं प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं विकास के लिए दुआएं मांगी। दरगाह पर सज्जादा नशीन दरगाह दादा मियाँ ख्वाज़ा सबाहत हसन शाह सहित भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने चादरपोशी के बाद श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दादा मियाँ की मेहरबानी से दरगाह पर हाजरी देकर उन्हें ऐसा लगा कि जैसे वे मुंबई के हाजी अली दरगाह में हों। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को देखकर कोई यह फर्क नहीं कर सकता कि कौन हिन्दू समुदाय का है और कौन मुस्लिम समुदाय से है। देश की आजादी के लिये अंग्रेजों के विरोध में दोनों समुदाय के लोगों ने मिलकर आजादी की लड़ाई लड़ी थी। देश के शहीदों का स्मरण करके स्वराज को सुराज में बदलें। उन्होंने कहा कि ऐसे मौकों पर हमें उसी भाव से देश एवं प्रदेश के विकास के लिए संकल्प करना होगा।

श्री नाईक ने कहा कि उनकी भाषा मराठी है और वे धीरे-धीरे उत्तर प्रदेश की हिन्दी भी सीख रहे हैं। अगली बाद जब वे दरगाह में चादरपोशी के लिए आयेंगे तो थोड़ी-थोड़ी उर्दू भी सीख जायेंगे। हमारे देश में अलग-अलग भाषाएं हैं तथा अलग-अलग वेश-भूषा है मगर हम सब भारतीय हैं। हमें यह प्रयास करना चाहिए कि देश में अमन-शांति हो, सभी समुदायों के बीच संवाद बना रहे और नफरत के लिये कोई जगह न हो। सब लोग प्यार से रहते हैं तो खुशी होती है। उन्होंने कहा कि जब देश में अमन चैन व सौहार्द होगा तभी देश तरक्की करेगा।

राज्यपाल ने आम लोगों से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन के माध्यम से एक-दूसरे को करीब से जानने का मौका मिलता है। इससे पहले जब वे गणपति उत्सव में गये थे तब भी सबके साथ मिलने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि उनके छः महीने के कार्यकाल में यह दूसरा मौका है जब उन्हें ऐसे सार्वजनिक स्थल पर सबके साथ बिना किसी फर्क के मिलने का अवसर मिला है। राज्यपाल ने इस अवसर पर सभी को नव वर्ष की बधाई देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना भी की।